

## आरती श्री केदारनाथ जी की

---

जय केदार उदार शंकर, मन भयंकर दुःख हरम् ।  
गौरी गणपति स्कन्द नन्दी, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
शैल सुन्दर अति हिमालय, शुभ्र मन्दिर सुन्दरम् ।  
निकट मंदाकिनी सरस्वती, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
उदक कुंड है अगम-पावन, रेतस कुंड मनोहरम् ।  
हंस कुण्ड समीप सुन्दर, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
अन्नपूर्णा सह अपर्णा, काल भैरव शोभितम् ।  
पंच पांडव द्रोपदी सह, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
शिव दिगम्बर भस्म धारी, अर्द्धचन्द्र विभूषितम् ।  
शीश गंगा कण्ठ फणिपति, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
कर त्रिशूल विशाल डमरु, ज्ञान गान विशारदम् ।  
महेश्वर श्रीतुंग ईश्वर, रुद्र कल्प महेश्वरम् ।  
पंच धन्य विशाल आलय, श्री केदार नमाम्यहम् ।  
पाथ पावन अति विशालम्, पुण्यप्रद हरि दर्शनम् ।  
जय केदार उदार शंकर, पाप हरत नमाम्यहम् ।

---

## विवरण

---

हमारे मन के भय एवं दुःख को हरण करने वाले तथा उदार हृदय वाले शंकर केदारनाथ जी की जय हो । माता पार्वती जी एवं श्री गणेश जी तथा नृत्य करने वाले नन्दी भी श्री केदारनाथ जी को सिर से प्रणाम करते हैं । हिमालय पर्वत पर आपका शुभ्र मन्दिर बहुत ही सुन्दर लगता है ।

आपके मन्दिर के निकट मंदाकिनी एवं सरस्वती नदी बहती है; ऐसे श्री केदारनाथ जी को हमारा सिर से नमन है । आपके मन्दिर का उदक कुंड बड़ा ही पवित्र है तथा रेतस कुंड मन को हरने वाला है और हंस कुण्ड भी समीप में ही हैं ।

वहाँ पर माता अन्नपूर्णा के साथ माता पार्वती भी तथा कालभैरव भी शोभित हो रहें हैं । पाँचों पाँडवों के साथ वहाँ द्रौपदी भी विराजमान हैं ऐसे श्री केदारनाथ जी को सिर से प्रणाम है । हे शिव शंकर आप दिगम्बर हैं, भस्म को रमाने वाले हैं तथा आपके ललाट पर आधा चन्द्रमा आभूषण के समान प्रतीत होता है ।

जिनके सिर पर गंगा विराजमान है तथा कण्ठ पे सर्प की माला लपेटे हुए हैं, ऐसे श्री केदारनाथ जी को सिर से प्रणाम है । इनके एक हाथ में त्रिशूल तथा एक हाथ में विशाल डमरु है । इनके ज्ञान का गान अति विशारद है । हे महेश्वर ! आप उग्र स्म धारण करने वाले ईश्वर हो तथा समयानुसार आप रौद्र स्म भी धारण करते हो ।

हे पंचधन्य आपका विशाल स्थान केदारनाथ मे हैं, ऐसे श्री केदारनाथ जी को सिर नवा कर प्रणाम है । आपका पवित्र मार्ग बड़ा ही विशाल है तथा आपका दर्शन करके बहुत ही पुण्य मिलता है । जय हे उदार हृदय वाले शंकर जी, हमारे सभी पापों का हरण कीजिएगा, आपको सिर नवाकर प्रणाम करते हैं ।

---

visit [www.astrogyan.com](http://www.astrogyan.com) for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.  
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.